तैयारी

जल की हर एक बूंद हमारे लिए बेशकीमती, नहीं होने देंगे दुरुपयोग : विशाल मिश्रा

एसटीपी से निकले जलशोधन के लिए बनेगी नीति

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से शोधित होकर निकलने वाले जल का पुनः उपयोग हो सकें, इसके लिए नमामि गंगे राज्य नीति बनाने पर काम कर रही है।

शुक्रवार को राज्य स्वच्छ गंगा मिशन में कार्यक्रम निदेशक विशाल मिश्रा ने संबंधित विभिन्न विभागीय अधिकारियों के साथ एक बैठक कर नीति में जल के पुनः उपयोग के लिए अगले दस दिनों में सुझाव मांगें हैं। अधिकारियों को बताया कि राज्य में स्थापित सीवर ट्रीटमेंट प्लांट से जल शोधित होकर आ रहा है, जिसका उपयोग विभिन्न क्षेत्रों में करने से जल की आपूर्ति में हो रही कमी को पूरा किया जा सकता है। साथ ही राज्य में नीति के लागू होने पर शोधित जल का उचित प्रयोग हो सकेगा। बैठक में मिश्रा ने

नमामि गंगे की बैठक लेते निदेशक विशाल मिश्रा। स्रोत : सूचना विभाग

उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को बताया कि वह एसटीपी से निकलने वाले शोधित जल की गुणवत्ता की जांच कर शीघ्र रिपोर्ट उपलब्ध कराएं, जिससे यह ज्ञात हो सके कि एसटीपी से शोधित जल का उपयोग किन कार्यों में लाया जा सके। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि हर फसल के लिए जल की गुणवत्ता का आंकलन किया जाना चाहिए। जिससे राज्य नीति निर्धारित करते समय शोधित जल की उपयोगिता भी नीति में शामिल की जा सके। साथ ही यह भी सुझाव दिया गया कि उपचारित जल के वितरण हेतु जगह-जगह पर फिलिंग प्वाइंट विकसित किए जाएं, जिससे जल के वितरण में आसानी हो।

इस जल का उपयोग सिंचाई, अग्निशमन, निर्माण कार्यों, उद्यान एवं पार्क, मत्स्य पालन, जल निकायों का विकास और रखरखाव, सड़क किनारे हरियाली, सजावटी बागवानी और ग्रीन बेल्ट निर्माण जैसे अन्य उद्देश्यों में किया जा सकेगा।

बैठक में उत्तराखंड नमामि गंगे से अक्षय कुमार, पूरन चन्द कापड़ी, संजय सकलानी, परवीन सिंह, जल संस्थान से अधिशासी अभियन्ता आशीष भट्ट, कृषि विभाग से सहायक निदेशक प्रियंका सिंह, सिडकुल से डीजीएम(तकनीकी) संजय रावत एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।